हिन्दी बोलने में संकोच नहीं, बल्कि गर्व का अनुभव करना चाहिए : डॉ. बैरवा

'आधुनिक युग में तकनीक और डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर हिन्दी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और भी सशक्त बनाया जा सकता है'

जयपुर। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि हिंदी संवाद की भाषा ही नहीं बल्कि भारतीयता का गौरव और हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। भारतीय सभ्यता, संस्कृति और संस्कारों की अविरल धारा को जीवंत एवं सुरक्षित रखने में हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि हिंदी बोलने में संकोच नहीं बल्कि गर्व का अनुभव करना चाहिए।

हिन्दी दिवस पर लेखकों व विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा रविवार को एसएमएस चिकित्सा महाविद्यालय के सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय हिंदी दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सभी से हिंदी के वैश्विक विकास और पहचान के लिए अपने जीवन के प्रत्येक कार्य, व्यवहार और प्रशासनिक गतिविधियों में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में तकनीक और डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर हिंदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और भी सशक्त बनाया जा सकता है।

उपमुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने कहा कि बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर भी हिंदी को राष्ट्र की एकता और संपर्क की भाषा के रूप में मानते थे। उनका विचार था कि भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में एक ऐसी भाषा होनी चाहिए जो सबको जोड़कर राष्ट्रीय एकता को मजबूत करे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी भी वैश्विक मंचों पर अधिकतर हिंदी भाषा में ही अपने भाषण देते है, जिससे अन्य देशों में भी हिंदी बोलने का प्रचलन बढा है और हिंदी को विश्व में अलग पहचान मिली है।

समारोह के मुख्य वक्ता यूनिवर्सल एम्बेसडर आइकैन डॉ बालेन्दु शर्मा दाधीच ने हिंदी के प्रचार-प्रसार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता अर्थात आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग और उसकी उपयोगिता पर विस्तृत चर्चा की।

उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में हमारी मातृभाषा हिंदी को हमें तकनीक से जोड़ना अनिवार्य है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि एआई आधारित अनुवाद उपकरण अब हिंदी को अन्य भाषाओं में और अन्य भाषाओं को हिंदी में तुरंत अनुवाद करने में सक्षम है। स्पीच टू टेक्स्ट और टेक्स्ट टू स्पीच तकनीक से हिंदी में बोलकर लिखना और लिखकर सुनाना बेहद आसान हो गया है।

डॉ. शर्मा ने बताया कि चैटबॉट्स और वर्चुअल असिस्टेंट्स अब हिंदी में संवाद कर पा रहे हैं, जिससे आमजन के लिए हिंदी में नई तकनीक का उपयोग करना सुलभ हुआ है। उन्होंने एआई से हिंदी को भारत के साथ विश्व पटल पर भी एक सशक्त भाषा बनाने पर जोर दिया। सोशल मीडिया, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और सरकारी सेवाओं में हिंदी को बढ़ावा देने में एआई बड़ी भूमिका निभा सकता है।

कार्मिक विभाग के शासन सचिव श्री के. के पाठक ने भी हिंदी भाषा की साहित्यिक एवं समृद्ध संस्कृति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा हिन्दी के विकास में स्वदेशी और वैज्ञानिक चिंतन आवश्यक है हिंदी की संस्कृति इतनी विराट रही है कि किसी एक विधा में इसे समेटा नहीं जा सकता।

स्कूल शिक्षा, भाषा एवं पुस्तकालय विभाग के शासन सचिव श्री कृष्ण कुणाल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा हिंदी भाषा के प्रचार, उपयोग और सुविधाओं के विस्तार के लिए गंभीरता से कदम उठाये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा मंडल, जिला एवं पंचायत समिति स्तर के कुल 264 पुस्तकालयों के नवीन भवनों का निर्माण करवाया जा चुका है। राज्य के दस सार्वजनिक पुस्तकालयों में दृष्टिबाधित पाठकों के लिए ब्रेल बुक्स, डेजी बुक्स व कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर उपलब्ध करवा कर विशेष अध्ययन कक्ष की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है।

शासन सचिव ने बताया कि 33 जिला मुख्यालयों पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं के विशेष अध्ययन के लिए सावित्री बाई फुले वाचनालय स्थापित कर वहां पर्याप्त मात्रा में प्रतियोगी साहित्य उपलब्ध कराया गया है। इसी योजना को विस्तारित करते हुए प्रथम चरण में 100 पंचायत समिति मुख्यालयों पर भी सावित्री बाई फुले वाचनालय शुरू किये गये हैं। सार्वजनिक पुस्तकालयों में उपलब्ध पुस्तकों के डिजिटलीकरण की सुविधा हेतु विभाग द्वारा पुस्तकालयों में उपलब्ध कुल 22 लाख 64 हजार 353 में से 13 लाख 98 हजार 668 पुस्तकों की कम्प्यूटर में डाटा एन्ट्री का कार्य किया जा चुका है।

इससे पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने हिन्दी साहित्य (कथा) में डॉ. कृष्ण कुमार कुमावत को उनके उपन्यास लक्ष्य, हिन्दी साहित्य (कथेतर) में डॉ. मूलचन्द बोहरा को उनके शैक्षिक निबन्ध संठाह समझ गए ना!, संविधान एवं विधि में डॉ. अनुपम चतुर्वेदी एवं डॉ. दीप्ति चतुर्वेदी को संयुक्त रूप से उनकी पुस्तक भारतीय राजनीतिक व्यवस्था, विज्ञान तकनीकी एवं अभियांत्रिकी में प्रो. पूर्णेन्दु घोष को वैज्ञानिक विचार द्वीपों के बीच सामाजिक काव्य पुलो का निर्माण, चिकित्सा विज्ञान एवं स्वास्थ्य (भारतीय चिकित्सा पद्धित) में डॉ. हिमांशु भाटिया को उनकी पुस्तक सेरेब्रल पाल्सी: व्यथा, कथा एवं कानून, कला, संस्कृति एवं पर्यटन में डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी को उनके यात्रा वृतान्त ओकुहेपा, दर्शन, योग एवं अध्यात्म में श्री मनोज गट्टानी को उनकी पुस्तक मन सनातन एवं जनसंचार, पत्रकारिता एवं सिनेमा में डॉ. विजय विप्लवी व डॉ. कुंजन आचार्य को संयुक्त रूप से लिखी उनकी पुस्तक पत्रकार दीनदयाल उपाध्याय के लिए हिंदी सेवा पुरुस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त उन्होंने उच्च माध्यमिक एवं माध्यमिक परीक्षा में हिंदी विषय में शत प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले 342 विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया।

सशक्त भारत विषय पर कार्यशाला

जयपुर। श्रीपरशुराम ज्ञानपीठ सभागार में विप्र फाउंडेशन एवं सम्यक संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में योग्य प्रशासक : सशक्त भारत विषयक कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला में मुख्य अतिथि सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा थे। शर्मा ने कहा कि आर्यभट्ट, चाणक्य और प्राचीन ऋषि-मुनियों की परंपरा ही हमें यह प्रेरणा देती है कि ज्ञान और नीति से ही समाज का मार्गदर्शन संभव है। श्रीपरशुराम ज्ञानपीठ के अध्यक्ष एवं पूर्व पुलिस महानिरीक्षक ओमेंद्र भारद्वाज ने कहा कि योग्य प्रशासक से ही सशक्त भारत का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में अव्वल रहना ही अंतिम लक्ष्य नहीं होना चाहिए, बल्कि आत्मविश्वास, जज़्बा और सतत मेहनत से हर परीक्षा में सफलता पाई जा सकती है। कर्मचारी चयन आयोग के पूर्व अध्यक्ष हरिप्रसाद शर्मा ने कहा कि श्रीपरशुराम ज्ञानपीठ गौरव और गुमान का विषय है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक चरण में 50 कन्याओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु आवासीय सुविधा दी जाएगी। डीजी अनिल पालीवाल ने कहा कि पहले प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सामठी व संसाधन सीमित थे, परंतु आज पर्याप्त अवसर उपलब्ध हैं। सम्यक के कौशल भारद्वाज ने लक्ष्य-आधारित प्रयोग को समाज के लिए बेहतरीन पहल बताया और पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रेरित किया। विप्र फाउंडेशन के संगठन महामंत्री सतीश शर्मा ने सभी का धन्यवाद् ज्ञापित करते हुए कहा कि समाज के होनहार बालक बालिकाओं की शिक्षा के लिए विप्र फाउंडेशन कटिबद्ध है। विप्र फाउंडेशन के संस्थापक सुशील ओझा के अनुसार श्रीपरशुराम ज्ञानपीठ के दो बड़े सेमिनार हाल में कोचिंग का संचालन होगा। अन्य 45 बड़े कक्षों में, वैदिक रिसर्च, कौशल विकास, लाइब्रेरी, महिला छात्रावास, संस्कार, स्वावलंबन आदि प्रकल्प संचालित होंगे। इस अवसर पर अनुभवी प्रशासनिक पदाधिकारियों-पूर्व आईएएस अधिकारी जेपी शुक्ला, मुख्यमंत्री के ओएसडी विकास राजपुरोहित, डॉ. राजेंद्र पारीक पिलानी, जीएल शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे।

सार-समाचार

एक पेड़ माँ के नाम पौधारोपण

जयपुर। मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान एवं सुरेश ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर के वरिष्ठ आचार्य, ट्रस्ट सदस्य एवं मीडिया प्रभारी प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं और हर नागरिक को अपने जीवन में पर्यावरण संरक्षण के लिए जिम्मेदारी निभानी चाहिए। विशेष अतिथि डॉ. अक्षत श्रीवास्तव ने युवाओं का आ ान किया कि वे पौधारोपण को उत्सव की तरह मनाएँ और लगाए गए पेड़ों की देखभाल भी सुनिश्चित करें। इस अवसर डॉ. शाहनवाज, डॉ. परेश जैन, डॉ. श्रीकृष्णा मिश्रा सहित ट्रस्ट एवं विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों, विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी ने संकल्प लिया कि लगाए गए पौधों की देखभाल अपने बच्चों की तरह करेंगे और पर्यावरण संरक्षण के लिए समाज में जागरूकता फैलाएँगे। कौशल सत्यार्थी ने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से न केवल पर्यावरण संतुलन की दिशा में एक सार्थक पहल हुई, बल्कि मातृत्व के सम्मान और प्रकृति के संरक्षण का संदेश भी दिया गया।मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान एवं सुरेश ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी द्वारा समय-समय पर ऐसे रचनात्मक सामाजिक कार्य आयोजित किए जाते रहे हैं, व आगे भी ये अनवरत जारी रहेगा।

विप्लवी व आचार्य का सम्मान किया

जयपुर। हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान की ओर से राजस्थान सरकार से राज्य स्तरीय हिंदी पुरस्कार से सम्मानित डॉ विजय विप्लवी एवं डॉ कुंजन आचार्य का माला व शाल पहनाकर, स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया दोनों हिंदी विद्वानो को उनकी लिखी पुस्तक पत्रकार दीनदयाल उपाध्याय पर दिया गया है संस्था के अध्यक्ष डॉ अखिल शुक्ला ने पत्रकार दीनदयाल उपाध्याय के कृतित्व व व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला संस्था के कुलसचिव अविनाश शर्मा ने दोनों शिक्षाविदों के लेखन कार्य पर प्रकाश डाला दोनों लेखकों ने पुस्तक पत्रकार दीनदयाल उपाध्याय लेखन की शोध यात्रा पर अपने विचार व्यक्त किए।

मृतकों का पोस्टमार्टम कर शव सौंपा

उदयपुर। सायरा थाना क्षेत्र पानेर गांव में विद्युत लाईन काटने के दौरान करंट से मरने वाले दो अज्ञात व्यक्तियों की शिनाख्त होने पर पुलिस ने पोस्टमार्टम करवा मृतकों का शव परिजनों को सौंपा। प्रकरण के अनुसार सायरा थाना क्षेत्र पानेर गांव में गोगुन्दा से केलवाड़ा की तरफ 33 केवी की लाईन जा रही थी। क्षेत्र में बिजली बंद होने पर विद्युत विभाग की टीम फाल्ट की तलाश में निकली थी।जहां पर खेत में जिसका एक हिस्सा कटा हुआ एवं दूसरा पोल पर लगा हुआ था। मौके पर कटर व दो युवक करंट लगने से झुलसने पर उनकी मौत हो कर मोके पर पड़े थे। इसकी सूचना मिलने पर सायरा थानाधिकारी किशोरसिंह शक्तावत मय टीम ने मौके पर पहुंच कर दोनों मृतकों को एमबी चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया। रविवार को दोनों मृतकों की शिनाख्त गुदी का भीलवाड़ा थाना केलवाड़ा निवासी मुकेश (35) पुत्र लाला गमेती तथा बंशीलाल (38)पुत्र खेताराम गमेतीर के रूप में शिनाख्त होने पर पुलिस ने दोनों मृतकों का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा।

महिला की पानी में डूबने से मौत

उदयपुर। हिरणमगरी थाना क्षेत्र में एनिकट में नहाते समय पानी में डूबने से महिला की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार अपरान्ह में हिरणमगरी थाना क्षेत्र पारोल रेबा फला गांव में स्थित एनिकट पर नहाते समय पांव फिलसने पर पानी में डूबने से पारोल रोबा फला गांव निवासी प्यारीबाई (35) पत्नी नाथूलाल की मौत होगई। इसकी सूचना मिलने पर एएसआई अरविन्द्रसिंह, हेडकांस्टेबल महावीरसिंह, कांस्टेबल नन्दकिशोर ने मौके पर पहुंच कर सिविल डिफेंस टीम को बुलवा कर महिला को बाहर निकाल एमबी चिक्तिसालय मोर्चरी में रखवाया। इधर इस मामले में बेटी चन्दा (9) के नहाते समय मंगरमच्छ के आने का पता चलने पर प्यारी ने उसे किनारे किया। इस दौरान मगरमछ उसे पानी में खिच ले जाने की संभावना जताई जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही वास्तविकता का पता चल पाएगा।

युवक नदी में डूबा

उदयपुर। बडगांव थाना क्षेत्र में नदी में डूबने से युवक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को बडगांव थाना क्षेत्र लोयरा से डांगियों का गुडा जाने वाले पगदंडी मार्ग पर स्थित नदी में डूबने से बेदला भीलवाड़ा बस्ती निवासी गोपाल पुत्र पन्नालाल की पानी में डूबने से मौत हो गई। गोपाल सवेरे मजदूरी करने के लिए निकल कर पगदंडी मार्ग से जा रहा था। इस दौरान नदी से बचने के लिए लगे पिल्लर को पार करते समय वह नदी में गिर पड़ा। जिससे पानी में डूबने से उसकी मृत्यु हो गई थी।

मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई से जनता को मिल रही त्वरित राहत

- भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार कर रही संवेदनशील और जवाबदेह प्रशासन की मिसाल पेश

जयपुर।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा मुख्यमंत्री निवास पर हर सोमवार को की जा रही नियमित जनसुनवाई ने शासन और जनता के बीच की दूरी को कम कर दिया है। यह पहल''सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय''की भावना को साकार करते हुए जन समस्याओं के त्वरित समाधान का सशक्त माध्यम बन रही है।मुख्यमंत्री शर्मा आमजन से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याएं सुनते हैं और अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश देकर समस्याओं का तत्काल निस्तारण सुनिश्चित कर रहे हैं। इस पहल से प्रशासनिक कार्यप्रणाली में जवाबदेही के साथ संवेदनशीलता भी आई है।

बाड़मेर जिले के शहीद उगम सिंह की पत्नी किरण कंवर ने जनसुनवाई में अपनी बेटी ज्योति राठौड़ के रोजगार से संबंधित निवेदन किया। मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया, जिसके फलस्वरूप ज्योति राठौड़ को शहीद आश्रित कोटे से केंद्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड बाड़मेर में निरीक्षक ठोड द्वितीय के पद पर नियुक्ति दी गई।

अलवर जिले की सुनीता सैनी अपने पुत्र रिनित का इलाज नहीं करवा पा रही थीं क्योंकि उनका नाम आयुष्मान योजना में दर्ज नहीं था। जनसुनवाई में जब यह बात सामने आई, तो मुख्यमंत्री ने तुरंत अधिकारियों को निर्देश देकर पंजीकरण और इलाज की प्रक्रिया पूरी करवाई। अब रिनित को योजना के अंतर्गत मुफ्त इलाज की सुविधा मिल गई है। जोधपुर की दिव्यांग महिला संजू ने मुख्यमंत्री को आवागमन में आ रही समस्याएं बताईं।

मुख्यमंत्री ने तुरंत संज्ञान लेते हुए जिला कलक्टर को स्कूटी उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। अब संजू अपने दैनिक कार्यों के लिए स्वतंत्र रूप से आ-जा पा रही हैं। मुख्यमंत्री निवास पर रोजाना बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचते हैं और समाधान पाकर संतुष्टि और मुस्कान के साथ लौटते हैं। यह जनसुनवाई न केवल प्रशासन की संवेदनशीलता को दर्शाती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि राज्य सरकार आमजन के कल्याण के लिए पूरी तरह से समर्पित है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का यह जन संवाद और त्वरित समाधान का मॉडल पंडित दीनदयाल उपाध्याय केएकात्म मानववादके सिद्धांतों की सजीव प्रस्तुति बन चुका है।

17 सितम्बर को आयोजित होगा रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0

- जयपुर के अणुविभा केंद्र में होगा रक्तदान, फिट इंडिया अभियान का हिस्सा
- रक्तदान के लिए जन-जागरूकता साइक्लोथॉन का आयोजन

जयपुर।रक्तदान के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने और समाज में सेवा भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 के अंतर्गत साइक्लोथॉन का भव्य आयोजन किया गया। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् (अभातेयुप) अपने 61वें स्थापना दिवस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर 17 सितम्बर को होने जा रहे 'रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0' के तहत विश्व का सबसे बड़ा रक्तदान अभियान आयोजित करने जा रही है।

इस दिन भारत सहित 75 देशों में 7500 से अधिक रक्तदान शिविर एक साथ आयोजित होंगे। इसी कड़ी में रविवार को रक्तदान जागरूकता के लिए श्रीमद जयाचार्य स्मारक (साधना का ज्ञानपीठ) जयपुर से प्रारम्भ होकर पत्रिका गेट होते हुए अणुविभा जयपुर केंद्र तक 9 किलोमीटर की साइकिल रैली का आयोजित किया गया।

इस आयोजन में भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे फिट इंडिया मूवमेंट के तहत नशा मुक्ति का सन्देश भी दिया गया। साथ ही युवाओं को प्रेरित किया गया कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, नशे जैसी बुराइयों से दूर रहे और रक्तदान जैसे सेवा कार्यों में सक्रीय भागीदारी निभाएं। इस अवसर पर मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव के राष्ट्रिय संयोजक हितेश भण्डिया ने अपने व्यक्तव्य में कहा कि यह अभियान कवर एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रव्यापी जागरूकता का आंदोलन है।

मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव का उद्देश्य केवल रक्त संठाह करना नहीं, बल्कि समाज में जिम्मेदारी, सहानभूति और परस्पर सहयोग की भावना को जागृत करना है।

इसी क्रम में तेरापंथ युवक परिषद्, जयपुर के अध्यक्ष रवि छाजेड ने स्थानीय युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि जयपुर ही नहीं, हर शहर और हर मोहल्ले में रक्तदान जैसे अभियान की आवश्यकता है। उन्होंने आगे बताया कि यह आयोजन रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 अभियान के तहत 17 सितम्बर को होने जा रहे मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव की तेयारी का हिस्सा है।

गाय को राज्यमाता का दर्जा दिलाने भगवा रैली में उमड़े लोग

गाय को राज्यमाता का दर्जा दिलाने भगवा रैली में उमड़े लोग

- डेढ़ किमी लंबी रैली के कारण लगा जाम
- जय श्रीराम, हिन्दुस्तान जिंदाबाद के नारों से गूंजा आसमान

जयपुर। गाय को राज्यमाता का दर्जा दिलाने के लिए रविवार को युवा शक्ति मंच की ओर से आयोजित भगवा रैली में जयपुर ही नहीं बल्कि आसपास के इलाके के लोग भी उमड पडे। भगवा रैली में शामिल हुए लोगों का जोश इस कदर रहा कि डेढ किमी लंबी रैली के कारण पूरा यातायात जाम हो गया और पुलिस प्रशासन को ट्रेफिक व्यवस्था सुधारने के लिए मशक्कत करनी पडी। भगवा रैली को राज्य के साधु संतो ने जलमहल से भगवा ध्वज दिखाकर रवाना किया।

युवा शक्ति मंच की ओर से भगवा रैली निकाली।

इस अवसर पर जयपुर सांसद मंजू शर्मा, विधायक गोपाल शर्मा, बालमुकुंदचार्य, पूर्व प्रत्याशी रवि नैय्यर मौजूद रहे। इस दौरान रैली के आगे सभी वाहन भगवा झंडा लेकर चले। युवा शक्ति मंच राजस्थान के प्रदेश संयोजक सुनील सिंह शेखावत ने बताया कि संकल्प हिन्दू राष्ट्र बनाने का है। इसके लिए 8वीं रैली का आयोजन किया गया। रैली का आयोजन स्वामी लक्ष्मणानंद बलिदान दिवस के रूप में हुआ। इस दौरान हिंदू राष्ट्र बनाने के साथ गाय को राज्य माता का दर्जा दिलाने की मांग की गई। रैली में सबसे आगे राम रथ रहा और उसके पीछे गौ माता की मनमोहक झांकी सजाई गई।

इस भगवा रैली में हजारों की संख्या में वाहन शामिल हुए। सभी प्रतिभागी हाथों में भगवा झंडे लिए रहे और गौ माता के नारे लगते रहे। रैली के आगे और पीछे भारी पुलिस बल तैनात रहा। इस दौरान दिल्ली रोड पर यातायात को पूरी तरह से बंद कर दिया गया। रैली के मार्ग में आने वाली गलियों को बैरिकेडिंग लगाकर बंद कर दिया गया और जगह-जगह दंगा नियंत्रण वाहन तैनात किए गए। रैली में जितने लोग वाहनों पर सवार रहे उससे दुगुनी संख्या में पैदल चलते नजर आए। वाहन रैली के दौरान व्यवस्था बनाए रखने के लिए भगवा कार्यकर्ताओं ने जिम्मेदारी संभाली।दिल्ली रोड की ओर से आ रही ट्रैफिक के बीच रैली के दौरान एक एम्बुलेंस फंस गई। इस पर कार्यकर्ताओं ने तुरंत रैली के वाहनों को साइड में कर एम्बुलेंस के लिए रास्ता साफ किया। इस दौरान रैली लंबी होने के कारण एम्बुलेंस के आगे करीब आधा दर्जन कार्यकर्ता दौडते हुए रास्ता साफ करवाते हुए नजर आए। दशहरा मैदान पर हुआ समापन जहां तेलंगाना के गोशा महल के विधायक टी राजा सिंह ने गाय माता को राज्य माता का दर्जा देने के लिए संबोधन दिया। भगवा रैली जलमहल से रवाना होकर रामगढ मोड पहुंची यहां रास्ते में आधा दर्जन से अधिक संगठनों की ओर से रैली का स्वागत किया गया। इसके बाद रैली चुंगी, खोले के हनुमान जी, ईदगाह, गलता गेट, ट्रांसपोट नगर पुलिया के ऊपर से होते हुए रोटेरी सर्किल पहुंची जहां रैली का शानदार स्वागत हुआ। यहां से वाहन रैली आजाद नगर, जवाहर नगर टीला नंबर 1 से टीला नंबर 5 हुए लाल जैन मंदिर, पंचवटी सर्किल होते हुए दशहरा मैदान पहुंची।

मण्डल की 667 आवासों वाली 5 नवीन योजनाओं के आवेदन में केवल 6 दिन शेष

जयपुर। राजस्थान आवासन मंडल की अगस्त में शुरू हुई योजनाओं में आमजन से उत्साहजनक प्रतिक्रिया देखने को मिली है। मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के मार्गदर्शन और नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री श्री झाबर सिंह खर्रा के निर्देशन में शुरू की गई इन योजनाओं में विशेष तौर पर आर्थिक रूप से कमजोर ( ) और अल्प आय वर्ग ( ) को ध्यान में रखकर लाया गया है। यही कारण है की 667 में से कुल 608 फ्लैट्स/ आवास केवल और श्रेणी के लिए हैं।

बूंदी जिले की नैनवा आवासीय योजना, पॉकेट- एवं पॉकेट- में विभिन्न आय वर्ग के लिए 72 स्वतंत्र आवास, कीमत 7 लाख 80 हजार से प्रारम्भ है। बारां जिले की अटरू आवासीय योजना में विभिन्न आय वर्ग के लिए 189 स्वतंत्र आवास, कीमत 7 लाख 60 हजार से प्रारंभ है।

बाड़मेर जिले की लंगेरा आवासीय योजना में ईडब्ल्यूएस, एलआईजी आय वर्ग के लिए 200 स्वतंत्र आवास, कीमत 8 लाख 61 हजार से प्रारंभ है।धौलपुर जिले की बाड़ी रोड योजना में ईडब्ल्यूएस, एलआईजी (जी 3) आय वर्ग के लिए 64 फ्लैट्स, लागत 12 लाख 45 हजार से प्रारम्भाउदयपुर जिले की पानेरिया की मादड़ी में ईडब्ल्यूएस, एलआईजी (जी 3) आय वर्ग के लिए 142 फ्लैट्स, लागत 11 लाख 68 हजार से प्रारम्भ है।

बडी चौपड़ से रामलीला मैदान तक त्यागी व्रतियों की निकली शोभायात्रा

- सकल दिगम्बर जैन समाज के सामूहिक क्षमापना समारोह में उमड़े श्रद्धालु
- रामलीला मैदान में 32 दिन के उपवास करने वाले 4 व्रतियों सहित 151 त्यागी व्रतियों का किया अभिनंदन

जयपुर। जैन समाज का एक मात्र प्रादेशिक प्रतिनिधि पंजीकृत संगठन राजस्थान जैन सभा जयपुर के तत्वावधान में रविवार को रामलीला मैदान में जयपुर स्थित दिगम्बर जैन संतों के सानिध्य में सकल दिगम्बर जैन समाज का सामूहिक क्षमावाणी समारोह का आयोजन किया गया।इस मौके पर राजस्थान जैन सभा के माध्यम से दस दिन एवं अधिक दिनों के उपवास करने वाले 151 त्यागी व्रतियों का अभिनंदन किया गया। इस दौरान पूरा पाण्डाल तालियों की गडगडाहट से गुंजायमान हो उठा।

रामलीला मैदान में जयपुर स्थित दिगम्बर जैन संतों के सानिध्य में सकल दिगम्बर जैन समाज का सामूहिक क्षमावाणी समारोह का आयोजन किया गया।

इससे पूर्व प्रात: बडी चौपड से जौहरी बाजार, बापू बाजार होते हुए रामलीला मैदान तक बैण्ड बाजों के साथ सभी त्यागी व्रतियों को 26 बघ्घियों में बैठाकर शोभायात्रा निकाली गई।शोभायात्रा एवं त्यागी व्रतियों का मार्ग में जगह जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। शोभायात्रा में बैण्ड बाजों के साथ हाथी, घोड़ा, ऊंट व अन्य लवाजमा के साथ महिला मण्डलों एवं युवा मण्डलों, जैन सोश्यल ग्रुप्स, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुपों सहित बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन एवं महामंत्री मनीष बैद ने बताया कि रामलीला मैदान में मुनि अरह सागर महाराज एवं क्षुल्लक ध्यान सागर के सानिध्य में आयोजित धर्म सभा का युवा समाजसेवी अनिल शोभी पाटनी काशीपुरा वाले ने दीप प्रज्जवलन कर शुभारम्भ किया। समाज श्रेष्ठी शांति कुमार ममता सोगानी जापान वाले ने सम्मान पुण्यार्जक के रुप में सभी त्यागी व्रतियों को चांदी की माला पहनाकर सम्मान किया। समारोह के मुख्य अतिथि रुप मेंवीर चंद्र गजेंद्र बडजात्या कामां वाले शामिल हुए। समारोह की अध्यक्षता विवेक -आशा काला ने की।

गौरवमयी अतिथि के रूप में अनिल - उमा दीवान तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सुरेश - ललिता सबलावत, राजीव - सीमा जैन गाजियाबाद एवं बापूनगर निवासी 3 दिन के तप करने वाला 8 वर्षीय गुमान दीवान शामिल हुए। समारोह में यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा, सासंद मंजू शर्मा, नगर निगम ग्रेटर के उप महापौर पुनीत कर्णावट सहित अन्य राजनेताओं की गौरवमयी उपस्थिति रही।